श्री दीवान कृष्ण किशोर
सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज
एवं शोध संस्थान
जगाधरी रोड, अम्बाला, हरियाणा - 133001.

[अधीन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं संबद्ध केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली]

उत्तर क्षेत्रीय युवा महोत्सव - 2025

विश्वगुरु भारत की लब्धप्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्था केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष 'युवा महोत्सव' का आयोजन क्षेत्रवार स्वरूप (पूर्व, पश्चिम, उत्तर एवं दक्षिण) में होता आया है। ये महोत्सव युवाओं को केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि गीत, सङ्गीत, नृत्य, चित्रकला और साहित्यिक कलाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक क्षेत्रीय मञ्च प्रदान करते हैं। यह महोत्सव संस्कृत भाषा से अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और देश का नाम रोशन करने में सहायक होते हैं तथा शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए अनिवार्य है तथा युवाओं के बहुआयामी विकास के लिए एक शक्तिशाली और आवश्यक मञ्च प्रदान करते हैं। युवा महोत्सव युवा शक्ति को सही दिशा देने और उनके समग्र विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है तथा युवाओं को प्रेरित करता है कि वे खेल को करियर या स्वस्थ जीवनशैली के रूप में अपनाएँ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 14 परिसर, 21 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय तथा 04 शोध संस्थान हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा युवमहोत्सव पूर्व में उनके परिसरों में हुआ करता था। प्रथम बार विश्वविद्यालय द्वारा यह निर्णय लिया गया कि आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों को भी इसका दायित्व दिया जाए। जिसके अन्तर्गत 'उत्तर क्षेत्रीय युव महोत्सव - 2025' दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी को दिया गया। महाविद्यालय द्वारा दिनाङ्क - 03/11/2025 से 05/11/2025 तक युवा महोत्सव का आयोजन किया गया।

युवा महोत्सव को चार भागों (शैक्षिक स्पर्धा, चित्रकला स्पर्धा, सांस्कृतिक स्पर्धा एवं शारीरिक / क्रीडा स्पर्धा) में विभक्त कर स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें कुल छ: राज्यों से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के तीन परिसर [श्री रणवीर परिसर (जम्मू), वेदव्यास परिसर (हिमाचल प्रदेश) एवं श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर (उत्तराखण्ड),] केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध संस्थान [श्री गंगानाथ झा परिसर (उत्तर प्रदेश),] पाँच आदर्श महाविद्यालयों [श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज (हरियाणा), श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (उत्तराखण्ड), सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (हिमाचल प्रदेश), हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (हिमाचल प्रदेश), रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (उत्तर प्रदेश)] तथा संबद्ध महाविद्यालयों [श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल (जम्मू एवं कश्मीर) एवं श्री बाबा हरदित्त गिरी संस्कृत महाविद्यालय (पंजाब)] के कुल 349 छात्र - छात्राओं को सहभाग लेने की अनुमति प्रदान की गई। दिनाङ्क - 03/11/2025 को युवा महोत्सव का उद्घाटन सनातन धर्म कॉलेज अम्बाला छावनी के क्रीडा मैदान में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र के दौरान सभी आगन्तुकों का स्वागत सनातन धर्म कॉलेज एन.सी.सी. कैडेट द्वारा पूरे उत्साह के साथ

किया गया। इस उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. मदन मोहन झा, सनातन धर्म कॉलेज सोसायटी, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. राजेन्द्र सिंह, सनातन धर्म कॉलेज सोसायटी, नई दिल्ली के उपप्रधान डॉ. देशबन्धु, सनातन धर्म कॉलेज (अम्बाला) की प्राचार्या डॉ. अलका शर्मा एवं सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज (अम्बाला) के प्राचार्य डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. श्यामनाथ झा, संयोजक डॉ. अशोक कुमार मिश्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से आए प्राध्यापक, महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा सहभागी महाविद्यालयों के मार्गदर्शक आदि के अलावा सभी प्रतिभागी एवं सनातन धर्म कॉलेज के छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित थे। सभी महाविद्यालय एवं परिसरों के छात्रों ने अपने - अपने राज्य की संस्कृति, परम्परा, परिसर एवं महाविद्यालय ध्वज, अपनी पारम्परिक वेशभूषा में शोभायात्रा का प्रदर्शन कर क्रीडाङ्गण में उपस्थित लगभग 3500 जनसमूह को मोहित कर दिया। शोभायात्रा के पश्चात मशाल जलाकर प्रतिस्पर्धाओं का अनावरण किया गया। प्रो. मदन मोहन झा जी द्वारा खेल नियमों की शपथ दिलायी गई। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से पधारे डॉ. प्रमोद बटोलिया जी ने इस सत्र का सञ्चालन किया।

क्रीडाङ्गण के उद्घाटन के पश्चात् युवा महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन सनातन धर्म कॉलेज के प्रेक्षागृह में वैदिक और लौकिक मङ्गलाचरण (डॉ. मनीष भारद्वाज एवं डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराडी द्वारा) के साथ आरम्भ किया गया। तत्पश्चात् केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन किया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. मदनमोहन झा, दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. रञ्जन कुमार त्रिपाठी, श्री लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. रामसलाही द्विवेदी, चौधरी देवीदयाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा, सनातन धर्म कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अलका शर्मा, सनातन धर्म सोसायटी, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. राजेन्द्र सिंह, सनातन धर्म सोसायटी, नई दिल्ली के उपप्रधान डॉ. देशबन्धु, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. चितरञ्जन दयाल, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज अम्बाला छावनी के प्राचार्य डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. श्यामनाथ झा और सनातन धर्म सोसायटी, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव एवं सेवा निवृत्त डॉ. आर. सी. शर्मा का स्वागत प्राचार्य जी द्वारा पुष्पहार, शाल एवं स्मृतिचिह्न अर्पण कर किया गया। सभागार में उपस्थित अतिथि, मार्गदर्शक, प्राध्यापक, निर्णायक एवं प्रतिभागियों को अधिष्ठाता प्रो. मदनमोहन झा जी, विशिष्ट अतिथि प्रो. राधेश्याम शर्मा जी, प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. रञ्जन कुमार त्रिपाठी जी एवं प्रो. रामसलाही जी ने अपने अनुभव और ज्ञान की शक्ति से उत्पन्न उद्बोधन द्वारा मन्त्रमुग्ध कर दिया। इस सत्र का सञ्चालन डॉ. अशोक कुमार मिश्र जी ने किया।

शैक्षिक स्पर्धा

शैक्षिक स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य ज्ञान प्रदान करना और बौद्धिक क्षमता को विकसित करना है। इससे विद्यार्थियों में संज्ञानात्मक विकास होता है जो हमें सोचने, समझने, तर्क करने और समस्या - समाधान की क्षमता को बढ़ाता है। ज्ञान और सूचना के माध्यम से व्यक्ति दुनिया, इतिहास, विज्ञान और विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करता है। अच्छी शिक्षा व्यक्ति में आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय की भावना पैदा करती है, जिससे वह जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होता है और पढ़ने, लिखने, गणना करने और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने में पारङ्गत होता है। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए युवा महोत्सव में अनुवाद स्पर्धा, संस्कृत वार्ता लेखन, सङ्गणकीय संस्कृत एवं संस्कृत ब्लॉग निर्माण स्पर्धाओं का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक स्पर्धा में सहभागी परिसर एवं महाविद्यालयों से एक - एक प्रतिभागी ने सहभाग ग्रहण किया। इन स्पर्धाओं हेतु डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराडी एवं डॉ. वीरेन्द्र प्रकाश ने संयोजक की भूमिका निभायी।

चित्रकला स्पर्धा

चित्रकला स्पर्धा विचारों को व्यक्त करने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली माध्यम है। इससे सृजनात्मकता और कल्पनाशीलता को बल मिलता है और यह कल्पना शक्ति और रचनात्मकता को बढ़ावा देती है, जो जीवन के हर क्षेत्र में नवाचार के लिए आवश्यक है। खासकर चित्रकला, बच्चों और वयस्कों को शब्दों के बिना अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने का एक माध्यम प्रदान करती है, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। यह सौन्दर्य और सम्वेदनशीलता विकसित करती है, जिससे व्यक्ति अपने आस - पास की दुनिया को गहराई से देख और महसूस कर पाता है तथा यह एकाग्रता को बढ़ाती है और हाथ, आँख और मस्तिष्क के बीच समन्वय स्थापित करने में मदद करती है। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए युवा महोत्सव में रङ्गोली स्पर्धा और लघुचलचित्र निर्माण स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक सहभागी परिसर एवं महाविद्यालय के एक - एक प्रतिभागी ने सहभाग ग्रहण किया। इन स्पर्धाओं हेतु डॉ. रेणु वत्स ने संयोजिका की भूमिका का निर्वहन किया।

सांस्कृतिक स्पर्धा

सांस्कृतिक गतिविधियाँ व्यक्ति को समाज और अपनी जड़ों से जोड़ती हैं। यह व्यक्ति को अपनी संस्कृति, इतिहास, लोक कलाओं और परम्पराओं का ज्ञान कराती है, जिससे सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है। इसके माध्यम से सामाजिक नियमों, मूल्यों जैसे बड़ों का सम्मान, सहयोग और सामाजिक अपेक्षाओं का पालन करना सीखा जाता है। नृत्य, सङ्गीत और गीत जैसी गतिविधियाँ विभिन्न संस्कृतियों को समझने और उनके प्रति सम्मान विकसित करने में सहायक होती हैं। सांस्कृतिक स्पर्धाएँ परस्पर मेलजोल और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देती हैं। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए युवा महोत्सव में एकल संस्कृत गीत, समूह गीत एवं समूह नृत्य की स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। इन स्पर्धाओं का आयोजन सनातन धर्म कॉलेज के भव्य सभागार में हुआ जिसमें एकल गीत हेतु प्रत्येक परिसर एवं महाविद्यालय से एक - एक सहभागी तथा समूह गीत हेतु 05 - 05 सहभागी एवं समूह नृत्य हेतु 06 - 06 प्रतिभागी ने सहभाग ग्रहण किया। इन स्पर्धाओं हेतु डॉ. रेणु वत्स ने संयोजिका एवं डॉ. अनिल कुमार द्विवेदी ने सहायक तथा श्री सविन कुमार ने मञ्च प्रभारी की भूमिका का निर्वहन किया।

शारीरिक एवं क्रीडा स्पर्धा

शारीरिक खेल, स्वस्थ शरीर और अनुशासित मन के लिए आवश्यक हैं। यह शरीर को मजबूत बनाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, और हृदय को स्वस्थ रखता है। खेल तनाव को कम करता है, आत्मविश्वास बढ़ाता है, और मानसिक चैतन्यता में सुधार लाता है। दलीय खेलों से सहयोग, नेतृत्व, अनुशासन, सच्ची खेल भावना और नियमों का पालन करना सीखा जाता है। यह शारीरिक चपलता, गति और समन्वय को बढ़ाता है। ये सभी भूमिकाएँ एक - दूसरे की पूरक हैं और मिलकर एक सक्षम, रचनात्मक, सुसंस्कृत और स्वस्थ व्यक्ति का निर्माण करती हैं। यह तनाव मुक्ति और मनोरञ्जनन का एक बेहतरीन साधन है। खेल महोत्सव राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों को पहचान दिलाने और देश का नाम रोशन करने में भी सहायक होते हैं। संक्षेप में, ये शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए अनिवार्य हैं। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए युवा महोत्सव में छात्र - छात्राओं हेतु योगासन, (100, 200, 400, 800 एवं 1500 मीटर) दौड, बैडमिंटन, शतरञ्जन (Chess), ऊँची कूद (High Jump), लम्बी कूद (Long Jump), चक्रक्षेपण (Discuss Throw), कंदुकक्षेपण (Shot Put) का आयोजन किया गया। छात्राओं हेतु खो - खो प्रतियोगिता तथा छात्रों हेतु हस्तकंदुक (Volleyball), कबड्डी, एवं मल्लयुद्ध का आयोजन किया गया। आवश्यकता के अनुसार एवं नियम के अनुसार प्रत्येक परिसर एवं महाविद्यालय ने एकल स्पर्धा हेतु

एक - एक एवं युगल स्पर्धा हेतु युगल तथा दलीय स्पर्धा हेतु दलों के माध्यम से प्रतिभागियों ने सहभाग ग्रहण किया। इन स्पर्धाओं का आयोजन सनातन धर्म कॉलेज अम्बाला छावनी के क्रीडा मैदान, जिल्हाधिकारी खेल स्थान (कबड्डी एवं बैडमिंटन), सुभाष पार्क, महाविद्यालय सभागार आदि स्थानों पर किया गया। इन स्पर्धाओं हेतु डॉ. मनोज कुमार दुबे, डॉ. नितिन कुमार जोशी, डॉ. वीरेन्द्र प्रकाश, डॉ. गगनदीप सिंह, डॉ. मनीष भारद्वाज, डॉ. रेणु वत्स, डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराडी एवं डॉ. वीरेन्द्र शर्मा ने संयोजक की भूमिका निभायी।

समापन समारोह

युवा खेल महोत्सव का भव्य समापन दिनाङ्क - 05/11/2025 को सनातन धर्म सभागार में दोपहर

03.00 बजे से प्रारम्भ हुआ। यह महोत्सव युवा प्रतिभाओं को मञ्च देने में पूरी तरह सफल रहा। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन, वैदिक और लौकिक मङ्गलाचरण से हुई। प्राचार्य डॉ. विष्णु दत्त शर्मा जी ने सभी अतिथियों (डॉ. अलका शर्मा, डॉ. आर. सी. शर्मा), विशिष्ट अतिथियों (डॉ. देशबन्धु, प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र), एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि (प्रो. कुलदीप शर्मा) का स्वागत - सत्कार पुष्पार्पण, शाल एवं स्मृतिचिह्न अर्पित कर किया। तत्पश्चात केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रो. कुलदीप शर्मा जी ने अपने उद्बोधन से सम्पूर्ण सभागार को नई ऊर्जा से भर दिया। सभागार में पधारे सभी परिसर और महाविद्यालयों के मार्गदर्शकों का सम्मान शाल, स्मृतिचिह्न और कार्यालयीन बैग अर्पण कर किया। प्राचार्य विष्णु दत्त शर्मा जी ने अपने वक्तव्य में महोत्सव की सफलता का श्रेय अपनी टीम को देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। प्रो. कुलदीप शर्मा एवं प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र

द्वारा सभी निर्णायकों (जिन्होंने इस महोत्सव में सर्वोत्तम भूमिका निभायी) एवं जूरी सदस्यों के साथ - साथ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहयोग करने आए सभी प्राध्यापकों का सम्मान शाल, स्मृतिचिह्न एवं कार्यालयीन बैग अर्पण कर किया।

महाविद्यालयीय प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार दुबे द्वारा शैक्षिक, चित्रकला और सांस्कृतिक स्पर्धाओं एवं डॉ. नितिन कुमार जोशी द्वारा शारीरिक और क्रीडा से संबंधित पुरस्कारों तथा डॉ. अशोक मिश्र द्वारा सम्पूर्ण महोत्सव के विशिष्ट पुरस्कारों की घोषणा की गई जिसमें इस वर्ष उत्तर क्षेत्रीय युव महोत्सव - २०२५ का महत्त्वपूर्ण पुरस्कार "विजय वैजयंती" श्री रणवीर परिसर (जम्मू एवं कश्मीर) को प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर (उत्तराखण्ड) ने प्राप्त किया तथा तृतीय पुरस्कार वेदव्यास परिसर (हिमाचल प्रदेश) को प्राप्त हुआ। अन्य पुरस्कारों की सूची इस प्रकार है -

क्रमांक	संस्था का नाम	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	श्री रणवीर परिसर (जम्मू एवं कश्मीर)	9	6	7	22
2.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर (उत्तराखण्ड)	9	6	4	19
3.	वेदव्यास परिसर (हिमाचल प्रदेश)	6	5	4	15
4.	सनातन धर्म आ. सं. महाविद्यालय, डोहगी (हिमाचल प्रदेश)	5	7	2	14
5.	दी. कृ. कि. सनातन धर्म आ. सं. कॉलेज, अम्बाला (हरियाणा)	5	3	4	12
6.	श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, कटरा (जम्मू एवं कश्मीर)	2	6	2	10
7.	श्री भगवानदास आ. सं. महाविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)	2	5	1	8
8.	हिमाचल आ. सं. महाविद्यालय, जांगला (हिमाचल प्रदेश)	2	2	5	9
9.	श्री बाबा हरदित्त गिरी संस्कृत कॉलेज, सरहिन्द (पंजाब)	1	0	0	1
10.	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	0	1	0	1
11.	रानी पद्मावती आ. सं. महाविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	0	0	0	0

इस सम्पूर्ण युवा महोत्सव में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्यालय द्वारा प्रतिनियुक्त डॉ. योगेन्द्र दीक्षित जी, डॉ. राजकुमार मिश्र जी ने आयोजन को सफल बनाने में अद्वितीय योगदान दिया। इसके अलावा महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, महाविद्यालय के सभी अशैक्षणिक कर्मचारी वर्ग एवं अन्य प्रतिनियुक्त प्राध्यापकों का इस कार्यक्रम में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। वर्ष 2025 उत्तर क्षेत्रीय युव महोत्सव राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ।

प्रतिवेदक	संयोजक	प्राचार्य
डॉ. मनोज कुमार दुबे	डॉ. अशोक कुमार मिश्र	डॉ. विष्णु दत्त शर्मा